K-634

Total Pages : 4 Roll No. .....

MASL-607

गद्य एवं पद्य काव्य भाग-02

MA Sanskrit (MASL)

4th Semester Examination, 2023 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. बुद्धचरितम् की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. संस्कृत महाकाव्य की उत्पत्ति और विकास पर एक निबन्ध लिखिए।

3. 'नैषधं विद्वदौषधम' की व्याख्या कीजिए।

4. महाकवि श्री हर्ष का काल निर्धारण करते हुए नैषधीयचरितम् महाकाव्य के महत्व को रेखाकिंत कीजिए।

5. किन्हीं दो श्लोकों की भावानुवाद सहित व्याख्या कीजिए-

(क) विहाय चिन्तां भव शान्तचित्तो मोदस्व वंशस्तव वृद्धिभागी।

लोकस्य नेता तव पुत्रभूतः दुःखार्दितानां भुवि एष त्राता।।

(ख) तस्मात्प्रमाणं न वयो न वंशः कश्चित्कचिच्छ्रैष्ठ यमुपैति लोके।

राज्ञामृषीणां च हि तानि तानि कृतानि पुत्रैरकृतानि पूर्वैः।

(ग) धिगस्तु तृष्णातरलं भवन्मनः समीक्ष्य पक्षान्मम हेमजन्मनः।

तवाऽर्णवस्येव तुषारशोकरैर्भवेदमीभिः कमलोदयः कियान्।।

(घ) मुहूर्तमात्रं भवनिन्दया दया सखाः सखायःस्रवदश्रवो मम

निवृत्तिमेष्यन्ति परं दुरुत्तरस्त्वयैव मातः सुतशोकसागरः।।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. महाकवि श्री हर्ष के भाषा सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

2. बुद्धचरितम् का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3. नैषधीयचरितम् के आधार पर हंस विलाप का वर्णन कीजिए।

4. महाकवि अश्वघोष का काल निर्धारण करते हुए उनकी रचनाओं का अत्यन्त संक्षिप्त परिचय दीजिए।

5. राजा नल का चरित्र चित्रण कीजिए।

6. बुद्धचरितम् महाकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों की भावानुवाद सहित व्याख्या कीजिए-

(क) कलं प्रणेदुः मृगपक्षिणश्च शान्ताम्बुवाहाः सरितो वभूवुः।
दिशः प्रसेदुर्विमले निरभ्रे विहायसे दुन्दुभयोः निनेदुः।।

(ख) स्वर्मोहपाशैः परिवेष्टितस्य दुःखाभिभूतस्य निराश्रयस्य।

लोकस्य संबुध्य च धर्मराजः करिष्यते बन्धनमोक्षमेषः।।

(ग) श्रियाऽस्य योग्याऽहमिति स्वमीक्षितुं करे तमालोक्य सुरुपया धृतः।

विहाय भैमीमपदर्पया कया न दर्पणः श्वासमलीमसः कृतः।

(घ) सरोरुहं तस्य दृशैव निर्जितं जिताः स्मितेनैव विधोरपि श्रियः।

कुतः परं भव्यमहोमहीयसी तदाननस्योपमितौ दरिद्रता।।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूक्तियों की व्याख्या कीजिए-

(क) धनिनामिताः सतां पुनर्गुणवत्सन्निधिरेव सन्निधिः।

(ख) गुरुपदेशं प्रतिभेव तीक्ष्णा प्रतिक्षते जातु न कालमशर्तिः।

(ग) सुज्ञं प्रतीङ्गितभावनमेव वाचः।

(घ) आहृता हि विषयैकतानता ज्ञानधौतमनसं न लिम्पति।